पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग)
भारत सरकार
****
'हर काम देश के नाम'

नई दिल्लीः आश्विन 25, 1944
सोमवारः 17 अक्तूबर 2022

सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाया है; भारत सभी चुनौतियों से निपटने के लिए सुसज्जित हैः गुजरात के गांधीनगर में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के दौरान रक्षा मंत्री ने कहा

श्री राजनाथ सिंह ने नई और उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए सभी एजेंसियों द्वारा एक एकीकृत दृष्टिकोण का आह्वान किया

गुजरात के गांधीनगर में 17 अक्तूबर 2022 को राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) के दीक्षांत समारोह के दौरान रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा, "सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के सभी पहलुओं को मजबूत करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया है। रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा में थलीय और समुद्री सीमाओं, हवाई क्षेत्र, साइबर, डेटा, अंतरिक्ष, सूचना, ऊर्जा, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण की सुरक्षा शामिल है और एक प्रभुत्ता संपन्न राष्ट्र के लिए इन तत्वों की रक्षा करना आवश्यक है। उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया कि राष्ट्र सभी सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित है।

हालांकि, श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि बाहरी और आंतरिक सुरक्षा खतरों के बीच अंतर करना मुश्किल हो गया है क्योंकि हाइब्रिड युद्ध पद्धति ने इस अंतर को लगभग समाप्त कर दिया है। उन्होंने कहा कि स्थिति और भी जटिल हो गई है क्योंकि नवीनतम प्रौद्योगिकीय प्रगति ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरों के स्वरूप का विस्तार किया है।

रक्षा मंत्री ने कहा, "नए तरह के खतरे सामने आ रहे हैं, जिसने आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के बीच की रेखा को धुंधला कर दिया है। आतंकवाद के अलावा, साइबर युद्ध और सूचनापरक युद्ध सुरक्षा खतरों के नए रूप हैं। इसके अतिरिक्त, मानव तस्करी और काले धन को सफेद करना/मनी लॉन्ड्रिंग जैसी समस्याएं हैं जो दिखने में अलग हैं, लेकिन एक दूसरे से संबंधित हैं। सभी एजेंसियों को इन चुनौतियों से निपटने के लिए एकीकृत तरीके से काम करना चाहिए।"

श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत ने हमेशा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आक्रमणों और खतरों का सामना किया है, किसी भी अन्य राष्ट्र में राष्ट्रीय आत्मरक्षा की इतनी समृद्ध परंपरा नहीं है।

उन्होंने कहा कि गुलाम मानसिकता के प्रभाव से बाहर निकलने की आवश्यकता है जिसने आत्मरक्षा और सुरक्षा की समृद्ध परंपरा को कमजोर कर दिया है।

राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के छात्रों की उपस्थिति में रक्षा मंत्री ने मानवीय मूल्यों के महत्व को रेखांकित किया, इसे सबसे महत्वपूर्ण पहलू बताया जो किसी व्यक्ति के चरित्र का निर्माण करता है। उन्होंने छात्रों से मानवीय मूल्यों से जुड़े रहने और चरित्र निर्माण को समान महत्व देने का आग्रह किया।

रक्षा मंत्री ने भारत को दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की और कहा कि भारत में **2047** तक सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की क्षमता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे आने वाले समय में भारत को सबसे शक्तिशाली राष्ट्रों में से एक बनाने में अपना योगदान दें।

श्री राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन के समापन पर सभी स्नातक छात्रों और उनके अभिभावकों को बधाई दी और उनसे राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की अपील की। उन्होंने विश्वविद्यालय की सफलता में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के संकाय और कर्मचारियों के प्रयासों और योगदान की भी सराहना की।

उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई ने कहा कि राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय सुरक्षा के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करने और प्रधानमंत्री की परिकल्पना को पूरा करने वाला एक प्रमुख संस्थान है। उन्होंने सभी स्नातक छात्रों से राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने में योगदान देने की अपील की। मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की कि विश्वविद्यालय निकट भविष्य में नए स्थापन पर विस्तार कर रहा है।

स्वागत भाषण देते हुए राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर (डॉ) बिमल एन पटेल ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में 26 कार्यक्रमों में लगभग 1,000 छात्र नामांकित हैं। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के कार्मिक और सशस्त्र बलों, राज्य पुलिस सेवाओं, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और अन्य कार्मिक विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभान्वित हुए हैं। कुलपति ने प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए विश्वविद्यालय की भविष्य की योजनाओं को भी साझा किया।

दीक्षांत समारोह के दौरान विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों में पढ़ने वाले छात्रों को डिग्रियां प्रदान की गईं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के संकाय और अन्य कर्मचारी, पूर्व छात्र, विद्यार्थी और उनके अभिभावक उपस्थित थे।

एबीबी/डीएस